

---

## Agastya Stotram 3

---

### अगस्त्यस्तोत्रम् ३

---

#### Document Information



---

Text title : Agastya Stotram 3

File name : agastyastotram3.itx

Category : deities\_misc, tAmraparNImAhAtmya, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : tAmraparNImAhAtmya | adhyAya 62/59-64||

Latest update : December 13, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 13, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



अगस्त्यस्तोत्रम् ३



तानि त्वयैव जप्तानि ताम्नामन्तरुपासता ।  
इत्युक्त्वा हर्षसन्तुष्टः तुष्टाव जगतीगुरुः ॥ ५९ ॥  
नमः परमकल्याणनिधये वीतरागिणे ।  
लोपामुद्रासमेताय कुम्भोद्भूताय योगिने ॥ ६० ॥  
पुण्यायै पुण्यभूतायै पुत्र्यै मलयभूतः ।  
सर्वतीर्थस्वरूपायै ताम्रपर्ण्यै नमो नमः ॥ ६१ ॥  
या पञ्चकृत्यनादेव कुञ्जापाञ्चितदुर्दशा ।  
तामादिलक्ष्मीं क्षेमाय साक्षान्मोक्षप्रदां नमः ॥ ६२ ॥  
एकत्र श्यामलाकारा एकतः चन्द्रपण्डुरम् ।  
उमारमापतिं देवं वन्दे हरिहराकृतिम् ॥ ६३ ॥  
ताम्रां मलयशैलेन्द्रमादिलक्ष्मीं हरिप्रियाम् ।  
लोपामुद्रामगस्त्यं च नित्यमन्तःस्मराम्यहम् ॥ ६४ ॥  
इति ताम्रपर्णीमाहात्म्ये ६२-अध्यायान्तर्गतं  
अगस्त्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।  
ताम्रपर्णीमाहात्म्य । अध्याय ६२/५९-६४ ॥

tAmraparNImAhAtmya . adhyAya 62/59-64..

Proofread by PSA Easwaran

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

